आज
खेल-खिलाड़ी
खेल से ही है जीवन में खुशहाली
ajhindidaily.com
गोरखपुर,शनिवार १४ नवम्बर, २०२६



अर्जुन पुरस्कार-तेजस्विन शंकर (अथलेटिक्स), प्रियंका गोस्वामी (अथलेटिक्स), नरेंद्र (मुक्केबाजी), विदित गुजराती (शतरंज), दिव्या देशमुख (शतरंज), धनुष श्रीकांत (बधिर निशानेबाजी), राजकुमार पाल (हाकी, गाजीपुर), सुरजीत (कबड्डी), रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा निशानेबाजी), एकता भ्यान (पैरा अथलेटिक्स), अरविंद सिंह (रोइंग), अखिल श्योराण (निशानेबाजी), त्रीसा जाली (बैडमिण्टन), गायत्री गोपीचंद (बैडमिण्टन), लालरेम्सियामी (हाकी), मुहम्मद अजमल (अथलेटिक्स), पूजा (कबड्डी), **अर्जुन पुरस्कार (लाइफटाइम)**-आई अरुमैनायगम (फुटबाल), **द्रोणाचार्य पुरस्कार**-परवीर सिंह, छोटे लाल यादव, नेहा चव्हाण, द्रोणाचार्य पुरस्कार (लाइफटाइम)-धर्मेंद्र यादव, वीरेंद्र कुमार।

गाजीपुरके राजकुमार बने 'अर्जुन' वाराणसी के छोटेलाल 'द्रोण'

राष्ट्रपति मुर्मू ने १७ खिलाड़ियों को दिया अर्जुन पुरस्कार, इस बार खेल रत्न नहीं

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूने शुक्रवारको यहां राष्ट्रपति भवनमें राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोहमें डेकाथलान खिलाड़ी तेजस्विन शंकर, ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और विदित गुजराती सहित १७ खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कारसे सम्मानित किया। इस बार किसी भी खिलाड़ीको खेल रत्न पुरस्कारके लिए नहीं चुना गया था। समारोहमें युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया और खेल सचिव हरि रंजन राव सहित अन्य लोग उपस्थित थे। उच्चतम न्यायालयके पूर्व न्यायाधीश अरुण कुमार मिश्रकी अध्यक्षता वाली चयन समितिकी सिफारिशोंके पुनर्मूल्यांकनके बाद १७ अर्जुन पुरस्कार विजेताओंका चयन किया गया था। इससे पहले २०१४ में किसी खिलाड़ी को खेल रत्न पुरस्कार नहीं दिया गया था। विश्वकप विजेता शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, तेजस्विन और महिला युगल बैडमिंटन खिलाड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जाली उन १७ खिलाड़ियोंमें शामिल थीं जिन्हें अर्जुन पुरस्कारके लिए नामित किया गया था। गुजराती, देशमुख, ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलोंके रजत पदक विजेता मुक्केबाज नरेंद्र बेरवाल और युवा बधिर राइफल निशानेबाज धनुष श्रीकांत समारोहमें उपस्थित खिलाड़ियोंमें शामिल थे। बीस वर्षीय देशमुख विश्वकप जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। तेजस्विन ने २०२३ के एशियाई खेलों में डेकाथलान में ऐतिहासिक रजत पदक जीता था और पिछले साल एशियाई चैम्पियनशिप में भी दूसरा स्थान हासिल किया था। घुटने की समस्या से जूझने के बावजूद उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया। उन्होंने आइची-नागोया में एशियाई खेलों में भी कांस्य पदक जीता था। वह उन खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने पुरस्कारों की घोषणा में देरी की आलोचना करते हुए इसे खिलाड़ियों का अनादर बताया था। वर्ष २०२४ में रेकार्ड ३२ खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया था जिनमें से १७ पैरा खेलों से थे। इस बार पैरा खेलों से केवल दो नाम ही अंतिम सूची में शामिल थे। पैरा विश्व चैम्पियनशिप २०२४ में स्वर्ण पदक जीतने वाली पैरा क्लब थ्रोअर एकता भ्यान और पैरा विश्वकप २०२४ के स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल पुरस्कार पाने वालों में शामिल थे। कोई भी क्रिकेटर पुरस्कार पाने वाले खिलाड़ियों में शामिल नहीं था। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को २०२३ में यह पुरस्कार मिलने के बाद किसी भी क्रिकेटर को इसके लिए नहीं चुना गया। एशियाई खेल १९६२ में स्वर्ण पदक जीतने वाली फुटबाल टीम के सदस्य रहे आई अरुमैनायगम को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' (जीवनपर्यंत उपलब्धि) के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंत्रालयने तीन कोचको द्रोणाचार्य पुरस्कारके लिए चुना था। इनमें एमसी मैरीकामके सहायक स्टाफमें शामिल रहे मुक्केबाजी कोच वाराणसीके छोटे लाल यादव प्रमुख हैं। कोचिंगके क्षेत्रमें 'लाइफटाइम अचीवमेंट' सम्मान के लिए इस वर्ष पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी टीम के कोच धर्मेंद्र यादव और कुश्ती कोच वीरेंद्र कुमारको चुना गया है। अर्जुन पुरस्कार जीतने वाले खिलाड़ियोंको १५ लाख रुपयेकी पुरस्कार राशि मिलती है। यह पुरस्कार परंपरागत रूप से हर साल २९ अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्यमें प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष की पुरस्कार चयन समिति में भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) के उपाध्यक्ष गगन नारंग, पूर्व बैडमिण्टन खिलाड़ी अपर्णा पोपट और पूर्व हाकी खिलाड़ी एम एम सोमाया भी शामिल थे।



दिग्गज धराशायी, भारत की शर्मनाक हार

यंग का शतक, हेनरीने झटके छह विकेट, न्यूजीलैण्ड ने चौथा एकदिनी २४४ रन से जीत की वापसी

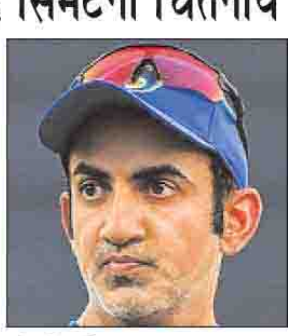
माउंट मोनगानुई (एजेन्सियां)। विल यंग के शानदार शतक के बाद मैट हेनरी ने स्टार खिलाड़ियों से सजी भारतीय बल्लेबाजी के परखच्चे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी जिससे न्यूजीलैण्ड ने चौथे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां २४४ रन की रिकार्ड जीत हासिल करके शृंखला में शानदार वापसी की। भारत की रनों के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी पराजय है। इससे पहले श्रीलंका ने २००० में शारजाह में उसे २४५ रन से हराया था। न्यूजीलैण्ड की रनों के लिहाज से यह दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने आयरलैण्ड को २००८ में एबेरडीन में २९० रन से हराया था। भारत ने पांच मैच की शृंखला के पहले दो मैच जीते थे और इस तरह से वह अब २-१से आगे है। शृंखला का तीसरा मैच बारिश के कारण रद कर दिया गया था। पांचवा और अंतिम मैच रविवार को खेला जायेगा। यंग ने दो जीवनदान का फायदा उठाकर १०८ गेंद पर १२५रन की पारी खेली। उन्हें उनके सलामी जोड़ीदार टिम सीफर्ट (४८ गेंद पर ५८ रन) और फिन एलन (४१) का अच्छा साथ मिला जिससे न्यूजीलैण्ड ने निर्धारित ५० ओवर में सभी विकेट गंवाकर ३३३ रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में भारतीय टीम २६.४ ओवर में ८९रन पर ढेर हो गई। यह एकदिनी में आठवां अवसर है जबकि भारतीय टीम १०० से कम रन पर आउट हो गयी। हेनरी ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए २७ रन देकर छह विकेट लिए। मैथ्यू फिशर (३-३१) ने भी अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए उनका अच्छा साथ दिया। नियमित कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल के बिना खेल रहे भारतीय बल्लेबाजों के पास तेजी से उठती गेंदों का कोई जवाब नहीं था। भारत की शुरुआत भयावह रही जिससे वह उबर नहीं पाया। हेनरी ने पहले ओवर में ही रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर के विकेट लेकर भारतीय खेमे में खलबली मचा दी। तब भारत ने खाता भी नहीं खोला था। यह वनडे में पहला अवसर है जबकि भारत ने खाता खोले बिना तीन विकेट गंवाये। एकदिनी क्रिकेट में कुल मिलाकर पांचवीं बार ऐसा हुआ है। रोहित का खराब प्रदर्शन जारी रहा। उन्होंने पारी की पहली गेंद पर पहली स्लिप में आसान कैच दिया। हेनरी ने इसके बाद चौथी गेंद पर कोहली को चकमा देकर बोल्ड किया और अगली गेंद पर अय्यर को पगबाधा किया जिसके लिए न्यूजीलैण्ड ने डीआरएस का सहारा लिया था। गिल के टेस्ट शृंखला की तैयारी करने के लिए इस मैच में नहीं खेलने के कारण पारी का आगाज करने वाले ऋतुराज गायकवाड (पांच) शुरू से संघर्ष करते हुए नजर आये और उन्होंने जल्द ही काइल जैमीसन की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैच दे दिया जिससे भारत का स्कोर चार विकेट पर नौ रन हो गया। इसके बाद ईशान किशन (२७) और अक्षर पटेल (२१) ने पांचवें विकेट के लिए ४४ रन जोड़कर कुछ देर तक विकेट गिरने का क्रम रोका लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी सिमटने में देर नहीं लगी। इन दोनों के अलावा केवल नमन धीर (२१) ही दोहरे अंक में पहुंचे। उन्होंने भारत की तरफ से दोनों छक्के लगाये। इससे पहले बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर यंग और सीफर्ट ने १२ ओवरों में ८५ रन जोड़कर न्यूजीलैण्ड को शानदार शुरुआत दी। इस साझेदारी में सीफर्ट ने अहम भूमिका निभाई और ४१ गेंदों में अपना पहला एकदिनी अर्द्धशतक पूरा किया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को निशाने पर रखा तथा उन पर एक छक्का और दो चौके लगाये। इसके बाद उन्होंने औकिब नबी पर लगातार दो चौके जड़े। दूसरी तरफ यंग ने धीमी शुरुआत की और उन्हें लगातार दो गेंदों पर जीवनदान मिला। जब वह पांच रन पर थे तब नबी की गेंद पर पहले पहली स्लिपमें रोहितने उनका कैच छोड़ दिया जबकि अगली गेंदपर विकेटकीपर ईशान कैच लेनेमें नाकाम रहे। यंगने इसका पूरा फायदा उठाया। बराड़ने सीफर्टको किशनके हाथों कैच कराकर भारतको पहली सफलता दिलाई जिन्होंने अपनी ५८ रनकी पारीमें छह चौके और तीन छक्के लगाये। इसके बाद यंगने आक्रामक रवैया अपनाया। भारतीय गेंदबाजोंमें अक्षर पटेलने प्रभावित किया। उन्होंने १० ओवरोंमें सिर्फ ३९ रन दिए तथा निक केली और फिन एलन के विकेट लिये। यंग तब आउट हो गये जब उन्होंने धीरकी गेंदपर सीधा शाट खेला और स्थानापन्न खिलाड़ी कुमार कुशाग्रको कैच दे दिया। यंग ने अपनी १२५ रन की पारी में १४ चौके और चार छक्के लगाये। अन्त में कप्तान मिचेल सैंटनरकी २४ रनकी पारीकी बदौलत न्यूजीलैण्डकी टीम सिमटनेसे पहले ५० ओवर में ३३३ रन बनाने में सफल रही।

दीप्ति बनी माह की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय महिला हरफनमौला दीप्ति शर्मा को अक्तूबर महीने के लिए आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवरों की शृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाली दीप्ति ने दूसरी बार यह पुरस्कार अपने नाम किया। उन्होंने इस दौड़ में बांगलादेश की शोभना मोस्तारी और आस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ा। दीप्ति ने कहा आईसीसी महिला 'प्लेयर आफ द मंथ' का पुरस्कार जीतकर मैं खुश हूं। जिम्बाब्वे के खिलाफ शृंखला हमारे लिए शानदार रही। शतक लगाना मेरे लिए बेहद खास पल था और टीमकी जीतमें योगदान देनेसे इसकी खुशी और बढ़ गयी। पुरुष वर्गमें दक्षिण अफ्रीकाके हरफनमौला मार्को यानसेन को 'प्लेयर आफ द मंथ' चुना गया। उन्होंने आस्ट्रेलियाके खिलाफ अपनी टीम की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप शृंखलामें २-१ की जीतमें अहम भूमिका निभाई। यानसेनने पाकिस्तान के अराफात मिन्हास और वेस्टइण्डीज के सीमित ओवरोंके कप्तान शाई होपको पीछे छोड़कर पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया।

२७ ओवर के अन्दर सिमटना चिंतनीय

-गौतम गंभीर



माउंट मोनगानुई (एजेन्सियां)। न्यूजीलैण्ड के खिलाफ यहां चौथे एकदिनी मुकाबले में भारतीय टीम के महज ८९ रन पर सिमटने से मुख्य कोच गौतम गंभीर की चिंता बढ़ गयी है क्योंकि यहां की परिस्थितियां अगले साल दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिनी विश्वकप जैसी हैं। न्यूजीलैण्ड के खिलाफ शुक्रवार को २४४ रन की करारी शिकस्त के बाद गंभीर ने माना कि कम स्कोर से ज्यादा चिंता की बात यह है कि भारतीय टीम २७ ओवर के अन्दर ही आउट हो गयी। उन्होंने कहा कि विश्वकप से पहले इस कमजोरी को दूर करना जरूरी है। गंभीर ने कहा जब आपकी टीम ९० रन के आसपास के स्कोर पर सिमट जाती है तो चिंता होना स्वाभाविक है। मैं चिंतित क्यों नहीं होऊंगा? यहां की परिस्थितियां विश्वकप में मिलने वाली परिस्थितियों के काफी करीब होंगी। उन्होंने कहा बड़ी चिंता रन बनाने की नहीं बल्कि यह है कि हम महज २६-२७ ओवर में ही आलआउट हो गये। यह निश्चित रूप से चिंता का विषय है। भारत को पिछले मुकाबले में भी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। बारिश से प्रभावित मैच में १३५ रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने १११ रन तक सात विकेट गंवा दिए थे। इन लगातार झटकों के बाद गंभीर ने स्विंग होती गेंदों का सामना करने के लिए तकनीकी और मानसिक तैयारी दोनों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैण्ड में शुरुआती १० ओवर बल्लेबाजी के लिहाज से बेहद चुनौतीपूर्ण होते हैं। इसके विपरीत भारत में आमतौर पर पारी का शुरुआती दौर बल्लेबाजी के लिए सबसे आसान माना जाता है। गंभीर ने कहा अगर आप शुरुआती १० ओवर में बिना विकेट गंवाए ३५ या ४० रन बना लेते हैं तो यह भी अच्छा प्रदर्शन है।

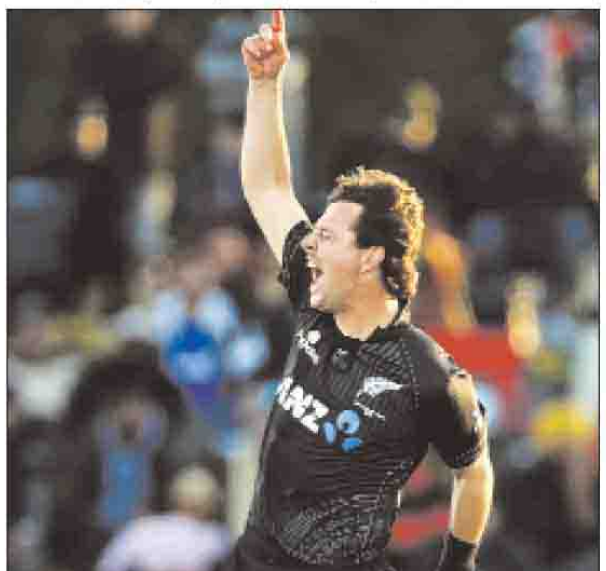
भारत और नौवें खिताबके बीच पाकिस्तान



अल अमेरात (एजेन्सियां)। भारत की नजर नौवीं बार अंडर-१९ एशिया कप का खिताब जीतने पर है लेकिन इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए उसे मौजूदा चैम्पियन पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा जिसमें आर्यवीर सहवाग और ईशान सूद जैसे खिलाड़ियों की भूमिका अहम होगी। पिछले साल पाकिस्तान ने भारत को १५१ रन से हराकर अपना दूसरा खिताब जीता था। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने अब तक चार मैचों में १०१ के औसत से ३०३ रन बनाये हैं जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। वह अब तक टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मजबूत कद-काठी वाले तेज गेंदबाज ईशान सूद ने अपनी तेज गति का अच्छा इस्तेमाल करते हुए चार मैचों में ११ विकेट लिए हैं और भारत की गेंदबाजी उन पर काफी निर्भर है लेकिन इन दोनों के अलावा कप्तान लक्ष्य रायचंदानी, विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय द्रविड़, मध्यक्रम के बल्लेबाज अर्जुन राजपूत और वीके विनीत जैसे खिलाड़ियों ने अब तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखाई है। रायचंदानी और राजपूत ने हालांकि एक-एक अच्छी पारियां खेली हैं। राजपूत ने जहां ग्रुप चरण में पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाया था वहीं रायचंदानी ने अफगानिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में ९३ रन की शानदार पारी खेली थी। इस मैच में विनीत ने भी अर्द्धशतक बनाया था। जहां तक भारतीय गेंदबाजी का सवाल है तो अभी तक सूद ने ही अधिकांश जिम्मेदारी संभाली है। सूद को स्पिनरों राजपूत और मनल चौहान से और अधिक सहयोग की जरूरत होगी। इन दोनों ने अभी तक पांच-पांच विकेट लिए हैं लेकिन उनमें से तीन विकेट एक ही मैच में आए हैं। पाकिस्तान के लिए उस्मान खान (२३८ रन) और तेज गेंदबाज रिजवानुल्लाह (११ विकेट) शीर्ष प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। लीग चरण में भारत के खिलाफ शतक लगाने वाले हमजा जहूर फिर से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक होंगे। रिजवानुल्लाह के अलावा पाकिस्तान के पास मोहम्मद सैयाम (आठ विकेट) और अली रजा (छह विकेट) जैसे अच्छे गेंदबाज भी हैं। **भारत अंडर-१९**-लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, यशवर्धन सिंह चौहान (उप-कप्तान), कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), रजत बघेल (विकेटकीपर), वी. यशवीर, आर्यन सवसानी, मोहित उलवा, काव्या पटेल, शविन विनोद, इशान सूद। **पाकिस्तान अंडर-१९**- फरहान यूसुफ (कप्तान), हुजैफा अहसन, उस्मान खान, हयाम खान, हसनैन अब्बास डार, जहांगीर बिलाल, अहमद हुसैन, नकाब शफीक, हमजा जहूर, अब्दुल सुभान, अली रजा, मोहम्मद हुजैफा, मोहम्मद सय्याम, रिजवानुल्लाह, अब्दुल कादिर।

समय-पूर्वाह्न १०.३० बजेसे।

अण्डर-१९ एशिया कप



पहले ही ओवर में भारत के तीन विकेट लेने के बाद खुशी मनाते हेनरी।

पिच की बदली प्रकृति से मिली हार

-श्रेयस अय्यर

माउंट मोनगानुई (एजेन्सियां)। भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने शुक्रवार को चौथे एकदिनी में न्यूजीलैण्ड के हाथों मिली २४४ रन की करारी हार का ठीकरा पिच की प्रकृति मे बदलाव पर फोड़ते हुए कहा कि पहले यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल थी लेकिन बाद में इससे तेज गेंदबाजों को मदद मिलने लग गयी थी। एकदिनी में पहली बार भारत की कप्तानी कर रहे अय्यर ने कहा मुझे लगता है कि इसे स्वीकार करना मुश्किल है लेकिन दोनों पारियों की विकेट में बहुत बड़ा अंतर था। अय्यर ने कहा लेकिन हेनरी ने जिस तरह से पहली गेंद से ही सही जगहों पर गेंदबाजी की उसके लिए वह प्रशंसा के पात्र हैं। न्यूजीलैण्ड ने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे हमें लगा कि विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। हमने कुछ कैच छोड़े लेकिन खेल में ऐसा होता है। उन्होंने कहा जब हम ड्रेसिंग रूम में पहुंचे तो हमें लगा कि हम आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेंगे लेकिन जिस तरह से गेंद अंदर-बाहर स्विंग हो रही थी उससे आप यह तय नहीं कर सकते थे कि किस तरह खेलना है। हमारे किसी भी बल्लेबाज ने अपना विकेट इनाम में नहीं दिया। सभी अच्छी गेंद पर आउट हुए। भारतीय कप्तान ने कहा हमें इस हार को भूलकर यह विश्लेषण करना होगा कि गेंदबाजी और बल्लेबाजी में क्या गलत हुआ। हमने दो मैच जीते हैं और अब हमें नये सिरे से मैदान पर उतरना होगा। न्यूजीलैण्ड के कप्तान मिशेल सैंटनर अपनी टीम के प्रदर्शन से खुश थे हालांकि उन्हें लगा कि शुरुआत में वे प्रतिस्पर्धी स्कोर से लगभग २० रन पीछे रह गये थे। उन्होंने कहा मैं इस जीत से काफी खुश हूं। यंग ने शानदार बल्लेबाजी की और विकेट गंवाने के बावजूद हमने अच्छा स्कोर बनाया। हम वैसे ३६० रन बनानेकी सोच रहे थे। हेनरी नयी गेंदसे और थोड़ी



मददगार विकेटपर वह सबसे अच्छा गेंदबाज है। हेनरीने अभ्यासके दौरान साथी खिलाड़ी डेवोन कानवेसे टक्कर होनेके कारण सिर में लगी चोटके बाद वापसी की। इस तेज गेंदबाजने कहा कि उन्होंने सही स्थान पर गेंद करनेपर ध्यान दिया जिससे उन्हें फायदा मिला। जिस तरहसे हवा चल रही थी मुझे स्विंगकी ज्यादा चिंता नहीं थी। इसलिए पहली गेंदसे ही मेरा मकसद अपनी ताकतका इस्तेमाल करना और विकेटको निशाना बनाकर गेंदबाजी करना था।

सैफ चैंपियनशिपमें पहली बार होगा वीएआर का इस्तेमाल

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। गत चैम्पियन भारत और भूटान के बीच शनिवार को खेले जाने वाले सेमीफाइनल मुकाबले से सैफ चैम्पियनशिप में पहली बार 'वीडियो असिस्टेंट रेफरी' (वीएआर) तकनीक का इस्तेमाल होगा। सेमीफाइनल के बाद १७ नवम्बर को होने वाले फाइनल में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जायेगा। इसके लिए रिमोट वीएआर व्यवस्था अपनाई जायेगी। इसके तहत ढाका के नेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे मैच का सीधा फुटेज थाईलैंड स्थित केंद्रीय संचालन केंद्र को भेजा जायेगा। वहां प्रमाणित वीडियो मैच अधिकारी (वीएमओ) फुटेज की समीक्षा करेंगे और मैदान पर मौजूद रेफरी को फैसले लेने में मदद करेंगे। सैफ के महासचिव पुरुषोत्तम कट्टेल ने कहा इस पहल का मकसद टूर्नामेंट का स्तर बढ़ाना और रेफरी के फैसलों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना है।

लक्ष्य सेमीफाइनलमें, श्रीकांत का सफर खत्म

कुमामोतो मास्टर्स

कुमामोतो (एजेन्सियां)। भारत के अनुभवी खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शुक्रवार को यहां कुमामोतो मास्टर्स जापान सुपर ५०० बैडमिण्टन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया लेकिन किदांबी श्रीकांत एक बार फिर उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और सीधे गेम में हारकर से बाहर हो गये। विश्व के १३वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने ४० मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल मैच में जापान के युशी तनाका को २१-१६, २१-१५ से पराजित किया। इस भारतीय खिलाड़ी के लिए यह जीत बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्हें चीन में होने वाले सत्र के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने के लिए बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग के शीर्ष आठ में जगह बनानी होगी। हाल में हाइलो ओपन जीतने वाले आठवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य वर्तमान में बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर रैंकिंग में ६४,९८० अंकों के साथ १२वें स्थान पर हैं। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई खिलाड़ी अल्वी फरहान से होगा। भारतीय खिलाड़ी ने विश्व में १०वें नंबर के फरहान के खिलाफ अभी तक दो मैच खेले हैं जिनमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इससे पहले विश्व के ३१वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत एक बार फिर अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे। पहले गेम में उन्होंने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा लेकिन दूसरे गेम में वह अच्छी बढ़त का फायदा नहीं उठा पाये और जापान के विश्व के १५वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे से २२-२४, १५-२१ से हार गये। भारतीय खिलाड़ी ने गुरुवार को जापान के विश्व के आठवें नंबर के खिलाड़ी और विश्व चैम्पियनशिप में दो बार के रजत पदक विजेता कोडाई नाराओका को हराया था लेकिन वातानाबे के खिलाफ वह अपनी इस लय को बरकरार नहीं रख पाये।



देवेश चतुर्वेदी बने राष्ट्रीय खेल बोर्ड के अध्यक्ष

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी देवेश चतुर्वेदी को बहुप्रतीक्षित राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस बोर्ड के पास सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को मान्यता देने और जरूरत पड़ने पर उसे रद करने का अधिकार होगा। इसके अलावा बोर्ड अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं के साथ भी सहयोग कर सकेगा। साठ वर्षीय चतुर्वेदी १९८९ बैच के उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उन्होंने अगस्त २०२४ से इस साल फरवरी तक कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव के रूप में काम किया।

भारत का १३ पदकों के साथ अभियान समाप्त

दोहा (एजेन्सियां)। भारत की दो मिश्रित ट्रैप टीम का शुक्रवार को यहां आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप में प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसके साथ ही देश का अभियान भी समाप्त हो गया। इस प्रतियोगिता में २०२८ लास एंजिलिस ओलम्पिक के लिए कोटा स्थान भी दांव पर थे। विवान कपूर और मनीषा कीर की जोड़ी १३४ के संयुक्त स्कोर के साथ २१वें स्थान पर रही जबकि जोरावर सिंह संधू और नीरू धांडा की जोड़ी १३२ अंकों के साथ ३२वें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में कुल ४८ टीम ने हिस्सा लिया था। तीन दौर की क्वलीफाइंग प्रतियोगिता में प्रत्येक निशानेबाज को ७५ शाट लगाने थे। इसमें विवान और मनीषा का प्रदर्शन एक-दूसरे से काफी अलग रहा। गुरुवार को पुरुष ट्रैप स्पर्धा में रजत पदक जीतने के साथ ओलम्पिक कोटा हासिल करने वाले विवान ने ७१ अंक बनाये जबकि मनीषा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह केवल ६३ अंक ही हासिल कर सकीं। भारत की दूसरी जोड़ी भी लय हासिल करने में नाकाम रही। हाल में जापान में आयोजित एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली नीरू धांडा ने ६४ अंक हासिल किए जबकि अनुभवी निशानेबाज जोरावर ने ६८ अंक बनाए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहली बार जोड़ी के रूप में प्रतिस्पर्धा कर रहे नीरू और जोरावर ने कुल १३२ अंक हासिल किए। इस स्पर्धा में क्वालीफाइंग दौर की शीर्ष चार टीमें पदकों के लिए होने वाले फाइनल में जगह बनाती हैं। भारत ने इस विश्व चैम्पियनशिप में कुल १३ पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया जिसमें दो स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

कांस्य विजेता रोहित पर पुष्प वर्षा

बरेका ने एशियाई खेल में पदक जीत कर लौटने पर किया स्वागत



वाराणसी। जापानमें हुए एशियाई खेलोंमें भारतके लिए जैबलिन थ्रो स्पर्द्धाका कांस्य पदक जीतनेवाले रोहित यादवका शुक्रवारको बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में भव्य स्वागत किया गया। जौनपुरके मूल निवासी और बरेकामें कार्यरत रोहित जैसे ही बरेका पहुंचे प्रवेश द्वारपर ही अधिकारियों, कर्मचारियों, खेलकूद संघके पदाधिकारियों, कर्मचारी परिषदके सदस्यों, विभिन्न खेल अकादमियोंके प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों एवं खेलप्रेमियों ने उनपर पुष्प वर्षा की। वहां से भव्य स्वागत यात्रा निकाली गयी जो सिनेमा हाल होते हुए प्रशासन भवन पहुंची जहां पर बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और संस्थान का नाम रौशन करने तथा पदक जीतनेके लिए बधाई दी। इस मौकेपर मनीष कुमार, अनुराग कुमार गुप्त, सागर, राजेश कुमार, धनंजय कुमार, रानी यादव, प्रदीप कुमार यादव, नवीन कुमार सिन्हा, सुशील कुमार सिंह, मनीष कुमार सिंह, श्रीकांत यादव, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, संतोष कुमार आदि मौजूद रहे।

आईओए ने लगायी हाकी इंडियाको फटकार

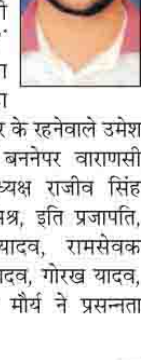
नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय ओलम्पिक संघ (आईओए) ने हाकी इंडिया को जांच समिति के लिए अब तक धनराशि जारी नहीं करने पर फटकार लगाते हुए कहा कि भोलानाथ सिंह पर लगे उत्पीड़न के आरोपों की जांच के लिए गठित समिति का काम धन की कमी के कारण रुका हुआ है और हाकी इंडिया का यह रवैया अस्वीकार्य है। आईओए की ओर से गठित चार सदस्यीय स्वतंत्र जांच समिति अभी तक अपनी जांच शुरू नहीं कर सकी है। इस समिति की अध्यक्षता उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपा शर्मा कर रही हैं। पूर्व हाकी खिलाड़ी और प्रशासक असुंता लाकड़ा ने भोलानाथ पर उत्पीड़न और धमकाने के आरोप लगाए हैं।

दोहरे सोने के पदक से दमकी श्रेया



वाराणसी। श्रेया पटेलने बेहतरीन खेलका प्रदर्शन करते हुए यहां विकास इण्टर कालेजके खेल मैदानपर खेल महोत्सवके पहले दिन अथलेटिक्स ट्रैक पर आधिपत्य जमाते हुए दोहरा स्वर्ण हासिल किया। श्रेयाने १०० मीटर दौड़ और लम्बी कूद में पहला स्थान हासिल किया। ऊंची कूद बालक वर्गमें अनुराग गौड़ पहले, अश्विनी कुमार दूसरे स्थानपर रहे जबकि बालिका वर्ग में आयुषी पटेलने बाजी मारी। आरुषि उनके पीछे रहीं। बालिका वर्गकी १०० मीटर दौड़में श्रेयाके बाद कोमल पटेल रही जबकि तृषा वर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। बालक वर्गमें अमन वर्मा पहले, विश्वजीत पटेल दूसरे और सूर्यांश कुमार तीसरे स्थानपर रहे। लंबी कूद में श्रेयाके बाद कोमल पटेल और आयुषी रहीं जबकि बालक वर्गमें सूर्यांश कुमारने सबसे ज्यादा दूरी नापी। अनुराग गौड़ दूसरे और अश्विनी कुमार तीसरे स्थानपर रहे। शाटपुट बालिका वर्ग में आरुषि कुमारी पहले, नैंसी दूसरे और सुहानी तीसरे स्थानपर रही।

उमेश बने राष्ट्रीय रेफरी



वाराणसी। वाराणसीके उमेश कुमार यादव आगरामें १७ से १९ नवम्बर तक होनेवाली ट्रेडिशनल राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिपमें रेफरीकी भूमिका निभायेंगे। पलकहा गांव धौरहरा चौबेपुर के रहनेवाले उमेश के राष्ट्रीय रेफरी बननेपर वाराणसी कुश्ती संघके अध्यक्ष राजीव सिंह रानू, राजकुमार मिश्र, इति प्रजापति, सुनील कुमार यादव, रामसेवक यादव, अरविन्द यादव, गोरख यादव, बेबी सिंह, विभा मौर्य ने प्रसन्नता व्यक्त की।